संस्कार सोसाइटी घुमारवीं

“घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा” अभियान

नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता एवं युवा संरक्षण की पहल

अभियान अवधि: अक्टूबर 2023 से निरंतर



महेंद्र धर्माणी संस्थापक संस्कार सोसाइटी घुमारवीं

1. प्रस्तावना

संस्कार सोसाइटी घुमारवीं द्वारा "घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान की शुरुआत अक्टूबर 2023 में घुमारवीं क्षेत्र में बढ़ते नशे, विशेष रूप से चिट्टा (सिंथेटिक ड्रग) के दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से की गई। संस्था ने इस अभियान को केवल एक जागरूकता कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए पंचायतों, शिक्षण संस्थानों, महिलाओं, युवाओं, अभिभावकों, वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं तथा जनप्रतिनिधियों को जोड़कर एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप देने का प्रयास किया।

संस्था के संस्थापक श्री महेंद्र धर्माणी के नेतृत्व में अभियान के अंतर्गत गांव-गांव संपर्क, पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद, शिक्षण संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां, विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं, सर्वेक्षण, कार्यशालाएं, कवि सम्मेलन, सोशल मीडिया अभियान तथा युवाओं के साथ संवाद जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

संस्था का मूल उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता पैदा करना, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना तथा परिवार और समुदाय की भूमिका को मजबूत करना रहा है।

2. अभियान की शुरुआत

14 अक्टूबर 2023 – प्रेस वार्ता, होटल मोनाल, घुमारवीं

14 अक्टूबर 2023 को होटल मोनाल, घुमारवीं में आयोजित प्रेस वार्ता के माध्यम से "घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान की शुरुआत की घोषणा की गई। इस अवसर पर संस्था ने चिट्टे के बढ़ते खतरे को युवाओं, परिवारों और समाज के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए इसके विरुद्ध सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया।

अभियान में शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संस्थाओं, पेंशनर्स, ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन तथा समाज के अन्य वर्गों को जोड़कर समन्वित गतिविधियां चलाने की योजना बनाई गई।



पंजाब केसरी
SUN, 15 OCTOBER 2023
EDITION: BILASPUR KESARI, PAGE NO. 2

संस्कार संस्था आज से करेगी घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान की शुरूआत

परिवारों को आर्थिक रूप से भी कमजोर कर रहा चिट्टा : महेंद्र धर्माणी

घुमारवीं, 14 अक्तूबर (कुलवंत): समाज में बढ़ता नशा आज हमारी युवा पीढ़ी को खोखला कर रहा है। नशे में चिट्टा (सिंथेटिक ड्रग) का प्रयोग आज बड़ी मात्रा में हो रहा है। यह नशा आज न केवल परिवार और समाज को नुक्सान पहुंचा रहा है, बल्कि परिवारों को आर्थिक रूप से भी कमजोर कर रहा है। यह बात संस्कार संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने घुमारवीं में आयोजित प्रैस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि संस्कार संस्था ने चिट्टे के खिलाफ काम करने का निर्णय लिया है।

संस्था घुमारवीं में घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान शुरू करने जा रही है। इसमें शिक्षक संस्थान, सामाजिक संस्थाएं, पैंशनर्स, ओल्ड स्टूडैंट्स एसोसिएशन सबको लेकर एक अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान में को-ऑर्डीनेशन के माध्यम से गतिविधियां चलाई जाएंगी। धर्माणी ने कहा कि 15 अक्तूबर को अभियान शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में गत 25 सितम्बर को प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार 18 माह में 4445 लोग गिरफ्तार हुए, इस वर्ष 11.414 कि.ग्रा. चिट्टा पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि इस बात में कोई शक नहीं है कि हमारे भविष्य अर्थात हमारी युवा पीढ़ी लड़के व लड़कियों को नशे की गर्त में धकेलने की कोशिश अलग-अलग प्रकार से हो रही है।

लेकिन इस भयंकर बुराई के बारे में हम सब जानते हुए भी मौन हैं तथा विभिन्न कारणों से आवाज उठाने में अपने आप को असमर्थ महसूस करते हैं।

कुछ असामाजिक तत्व समाज के अपने आर्थिक लाभ के लिए युवाओं को इस नशे के चंगुल में फंसाने का घृणित कार्य कर रहे हैं और यही नशे के सौदागर पुलिस के चंगुल से बचने के लिए राजनीतिक संरक्षण पाने का कुप्रयास भी करते हैं। जिसमें वे कुछ हद तक कामयाब भी हो जाते हैं।

लेकिन अब समय आ गया है कि इस समस्या पर गंभीरता से चिंतन करें और आगे बढ़कर इस भयंकर बुराई के विरोध में समाज के प्रत्येक वर्ग को जागृत करें तथा अपनी युवा पीढ़ी को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करें।

घुमारवीं : प्रैस वार्ता के दौरान घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान की जानकारी देते संस्कार संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी। (कुलवंत)

3. प्रथम चरण – गांव-गांव जनसंपर्क अभियान

15 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2023

- लगभग 10,000 पैंफलेट/पोस्टर तैयार करवा कर वितरित किए गए।
- पंचायत प्रधानों, उपप्रधानों तथा जिला परिषद प्रतिनिधियों को पत्र भेजकर अभियान में सहयोग की अपील की गई।
- पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडलों और सामाजिक संस्थाओं से संपर्क स्थापित किया गया।
- ग्रामीण स्तर पर छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से नशे के विरुद्ध जागरूकता का प्रयास किया गया।

4. पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान

नवंबर-दिसंबर 2023

अभियान के अंतर्गत घुमारवीं विकास खंड की पंचायतों में संपर्क अभियान चलाया गया। पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के साथ संवाद कर नशे के बढ़ते प्रभाव और इससे युवाओं को बचाने के उपायों पर चर्चा की गई।

संडयार पंचायत – 26 नवंबर 2023

संडयार पंचायत में पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के साथ संवाद किया गया। लोगों से सामूहिक रूप से नशे के विरुद्ध आवाज उठाने और युवाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने का आह्वान किया गया।





पट्टा पंचायत – 2 दिसंबर 2023

पट्टा पंचायत में “घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा” अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभिभावकों को बच्चों के साथ मित्रवत संबंध बनाए रखने तथा बच्चों की गतिविधियों पर सकारात्मक निगरानी रखने का संदेश दिया गया।





5. नगर परिषद घुमारवीं में जागरूकता गतिविधि

11 फरवरी 2024

नगर परिषद घुमारवीं के वार्ड नंबर 2 में “घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा” अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भागीदारी को अभियान के लिए महत्वपूर्ण बताया। इसी अवधि में घुमारवीं विकास खंड की लगभग 40 पंचायतों में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से संपर्क अभियान को आगे बढ़ाया गया।





6. विद्यार्थी जागरूकता अभियान

संस्कार सोसाइटी ने विद्यार्थियों और युवाओं को सीधे अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षण संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां शुरू कीं। इनमें विद्यार्थियों के साथ संवाद, नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता, विद्यार्थियों से सर्वेक्षण, चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा युवा संवाद जैसी गतिविधियां शामिल रहीं।



बच्चे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अपना लक्ष्य तय करें : महेंद्र धर्माणी



घुमारवीं : घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के दूसरे चरण में बच्चों को संबोधित करते संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी (कुलवंत)

घुमारवीं, 19 फरवरी (कुलवंत): बच्चे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें। यह बात सोमवार को घुमारवीं में बच्चों को संबोधित करते हुए "घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान के दूसरे चरण को आरंभ करते हुए संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कही।

उन्होंने बच्चों से अपील की कि माता-पिता की सलाह व सुझाव के अनुसार अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ें तथा अपनी जिंदगी के मुकाम को हासिल करें। महेंद्र धर्माणी ने प्रदेश पुलिस द्वारा जगह-जगह पर की जा रही कार्रवाई व छापेमारी को सही बताते हुए कहा कि जिस तरह आज चिट्टा हमारे समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रभावित कर रहा है, उसके लिए इसमें और तेजी लाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन चिट्टा सप्लायरों पर सख्त कार्रवाई करते हुए कानून का पालन करवाए, ताकि हमारे बच्चे इस सामाजिक कुरीति से आपने आप को बचा सकें।

धर्माणी ने संस्कार संस्था द्वारा चिट्टा के विरुद्ध चलाए अभियान के बारे में कहा कि आज से छात्र-छात्राओं का सर्वेक्षण करने के लिए एक प्रश्नोत्तरी के माध्यम से दूसरा चरण प्रारम्भ किया गया है, जिसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं से इस अभियान के बारे में उनकी रुचि, सुझाव और आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी एकत्रित करके इसका अध्ययन व विश्लेषण करने के बाद अभियान को आगे बढ़ाने की योजना बनाई जाएगी।

इस दौरान ध्रुवा एकैडमी के एम.डी. अक्षय शर्मा, प्रवीण, अनीश धर्माणी, अनिशा व राजेश ठाकुर आदि उपस्थित रहे।






Skill India

चिट्टे के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग देकर समाज को नशा मुक्ति बनाने में निभाएं भूमिका : महेंद्र धर्माणी



बच्चों को संबोधित करते हुए।

सवेरा न्यूज/प्रदीप कुमार , घुमारवीं : पढ़ाई के साथ-साथ चिट्टे के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग व समर्थन देकर समाज को नशा मुक्ति बनाने में सहयोग करें। यह आह्वान संस्कार सोसाइटी घुमारवीं के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने प्रांजली आईटीआई पट्टा में छात्र-छात्राओं से घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के अंतर्गत किया। महेंद्र धर्मानी ने छात्र-छात्राओं तथा आईटीआई के अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज चिट्टा का नशा हमारे घर-गांव आंगन-द्वारा पहुंच गया और हम सभी का नुकसान कर रहा है जिसके विरुद्ध हमें सतर्क और सावधान होने की आवश्यकता है। महेंद्र धर्माणी ने कहा कि आज प्रशासन व पुलिस के साथ-साथ छात्रों और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने आसपास घूमने वाले अनजान लोगों की जानकारी पुलिस वह गांव के बड़े बुजुर्गों तथा पंचायत प्रतिनिधियों को देकर अपनी सामाजिक जिम्मेवारी को निभाने का काम युवा करें। उन्होंने कहा आज बड़ी मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र के अंतर्गत कुछ पथ-भ्रमति लोग आर्थिक लाभ के लिए चिट्टा बेचने का काम हमारे आसपास कर रहे हैं उनसे सतर्क रहकर उसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचने की आवश्यकता है।

संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

7. विद्यार्थी चित्रकला प्रतियोगिता

8 जून 2024

घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के अंतर्गत विद्यार्थी जागरूकता अभियान के तहत घुमारवीं उपमंडल स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 20 स्कूलों के 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को क्रमशः ₹1,000, ₹900 और ₹800 की पुरस्कार राशि दी गई।



नवालोक आदर्श विद्यालय खनसरा की अक्षिता ने झटका प्रथम स्थान

जागरूकता अभियान के तहत खंड स्तरीय पेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया



घुमारवीं, (आपका फैसला)। संस्कार सोसाइटी घुमारवीं द्वारा घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के तहत चलाये गए विद्यार्थी जागरूकता अभियान के अंर्तगत घुमारवीं उपमंडल स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रांचल पैलेस में किया गया। जिसमें रिटायर्ड एएसपी मदन कांत शर्मा ने मुख्यातिथि के रुप में शिरकत की। जबकि संस्था के संस्थापक महेन्द्र धर्माणी विशेष रूप में उपस्थित रहे। मुख्यातिथि द्वारा अपने संबोधन में उन्होंने प्रतिभागियों का स्वयं नशे दूर रहकर दूसरों को भी इस बुराई के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस अभियान के अंतर्गत खंड स्तरीय पेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के 20 स्कूलों के 50 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें नवालोक आदर्श विद्यालय खनसरा मैहरी की छात्रा अक्षिता ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। जबकि शिवशक्ति पब्लिक स्कूल कसारू की वैष्णवी ने द्वितीय तथा एसवीएम घुमारवीं की स्वाति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिसमे प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विधार्थियो को 1000, 900 और 800 की राशि देकर पुरष्कृत किया गया। संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि संस्कार संस्था द्वारा चलाये गए चिट्टा अभियान को समाज के प्रत्येक वर्ग का मिल रहा समर्थन यह बताता है कि आज आमजन किस प्रकार से इस समस्या से परेशान और त्रस्त है। उन्होंने कहा कि जनता व युवा छात्रों के सहयोग व प्रशासन की सख्त करवाई से नौजवानों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संस्कार सोसाइटी द्वारा चिट्टा के खिलाफ विभिन्न चरणों मे अभियान चलाया जा रहा है। जिसमे पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक गांव गांव में नुक्कड़ सभाएं, शिक्षण संस्थानों में छात्रों से सवांद और विधार्थीओ को सर्वेक्षण के माध्यम से जागरूक करने का काम किया जा चुका है। इस अवसर पर संस्कार सोसाइटी के प्रधान कुन्दन रतवान, महासचिव डॉ. तिलक धर्माणी, डॉ. पुष्प राज, सोमदत्त कालिया, अनिल धर्माणी, रोहित कुमार, सुरेन्द्र धर्माणी, संदीप धर्माणी, प्रवीण शर्मा सहित काफी संख्या में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक व अध्यापक उपस्थित रहे।

संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

8. घुमारवीं उपमंडल नशा जागरूकता सर्वेक्षण

सर्वेक्षण रिपोर्ट – सितंबर 2024

संस्कार सोसाइटी द्वारा घुमारवीं उपमंडल के 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में नशे और चिट्टे की स्थिति को समझने के उद्देश्य से सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण में 1,456 विद्यार्थियों को शामिल किया गया और 17 प्रश्नों के माध्यम से नशे के प्रकार, उपलब्धता, संभावित कारणों, आसपास के वातावरण तथा रोकथाम से संबंधित जानकारी एकत्र की गई।

सर्वेक्षण संकेतक	प्रतिशत
आसपास नशे का प्रयोग होने की बात मानने वाले	76.03%
चिट्टे के बारे में जानकारी होने की बात कहने वाले	83%
आसपास धूम्रपान होने की बात	37.96%
गुटखे के प्रयोग की बात	14.57%
शराब के प्रयोग की बात	29.81%
भांग के प्रयोग की बात	9.34%
आसपास सिंथेटिक ड्रग/चिट्टे के प्रयोग की बात	13.32%



बिलासपुर केसरी

एयर क्वालिटी इंडैक्स

बिलासपुर 65

अच्छा खराब बहुत खराब

तापमान अधिकतम 32 न्यूनतम 22

आज का तापमान लगभग 32 डिग्री रह सकता है।

2024 सूर्योदय 06.08 सूर्यास्त 06.22 अगले 24 घंटों के दौरान बारिश हो सकती है। BILASPUR KESARI

76.03 फीसदी बच्चों ने माना घुमारवीं उपमंडल में होता है नशे का प्रयोग

उपमंडल घुमारवीं में चिट्टे व नशे को लेकर किए गए सर्वेक्षण में चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। 76.03 फीसदी बच्चों ने माना है कि उनके आसपास के इलाकों में नशे का प्रयोग होता है। इसके अलावा 83 प्रतिशत बच्चों ने यह माना कि उन्हें चिट्टे के बारे में जानकारी है। स्वयंसेवी संस्था संस्कार सोसायटी द्वारा घुमारवीं में चिट्टे को लेकर करवाए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। सर्वेक्षण के तहत 76.03 फीसदी बच्चों ने कहा कि उनके आसपास नशे का प्रयोग होता है। इनमें से 37.96 फीसदी बच्चों ने कहा कि उनके आसपास लोग धूम्रपान करते हैं। 14.57 फीसदी ने कहा कि लोग गुटखे का प्रयोग करते हैं, वहीं 29.81 फीसदी ने कहा कि लोग शराब का प्रयोग करते हैं। 9.34 फीसदी ने कहा कि लोग भांग का प्रयोग करते हैं, जबकि 13.32 फीसदी ने कहा कि उनके आसपास लोग सिंथेटिक ड्रग चिट्टे का प्रयोग करते हैं। यह सर्वेक्षण संस्कार सोसायटी के घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के तहत घुमारवीं उपमंडल के लगभग 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में किया गया।

महेंद्र धर्माणी संस्थापक, संस्कार सोसायटी

सर्वे के लिए संस्था ने एक प्रश्नोत्तरी तैयार की, जिसमें बच्चों से 17 प्रश्नों के उत्तर जानने का प्रयास किया गया। सर्वेक्षण में 1,456 बच्चों

सोसायटी के प्रयासों से बढ़ी है जागरूकता, चिट्टे के मामलों में आएगी कमी : धर्माणी

सोसायटी के अध्यक्ष महेंद्र धर्माणी ने कहा कि इस सर्वेक्षण के बाद लोगों में जागरूकता बढ़ी है, क्योंकि चिट्टे के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। पुलिस और राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ा कारण है। पुलिस पर भी लोगों के जागरूक होने का दबाव बढ़ा है। सोसायटी ने नशे/चिट्टे के प्रयोग इत्यादि की जानकारी, उसके उपयोग करने वाले द्वारा किए जा रहे वर्ग और सर्वेक्षण के बाद अब चिट्टे की धरपकड़ ज्यादा बढ़ी है, जिससे समाज में चिट्टे के प्रयोग में कमी आएगी। सभी को अपने-अपने क्षेत्रों व मोहल्लों में चिट्टे के खात्मे के लिए प्रयास करने चाहिए, तभी इससे मुक्ति मिल सकती है।

स्थानों, उसकी उपलब्धता, प्रयोग के कारण और रोकथाम हेतु जानकारी एकत्रित करने पर चर्चा की। यह सर्वे 15 जनवरी से 28 फरवरी के बीच किया गया।

सर्वेक्षण के माध्यम से यह खुलासा हुआ है कि घुमारवीं उपमंडल में दिन-प्रतिदिन चिट्टे का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, जो कि एक गंभीर चिंता का विषय है। समय रहते अगर स्थिति को नहीं संभाला गया तो इसके गंभीर परिणाम देखने को मिलेंगे। अभियान के पहले चरण में पंचायत प्रतिनिधियों व आम जनमानस के साथ संपर्क किया गया। सोसायटी के संस्थापक महेंद्र धर्माणी और उनकी टीम द्वारा 25 से अधिक स्थानों पर जनसंपर्क अभियान चलाया गया और लोगों को नशा विशेषकर चिट्टे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया।

सोसायटी वर्ष 2008 से कार्यरत है। वर्ष 2023-24 में संस्कार सोसायटी घुमारवीं ने चिट्टे के विरुद्ध अभियान चलाने का निर्णय लिया, जिसमें समाज के सभी वर्गों को जागरूक करने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

9. जागरूकता कमेटियों की दिशा में पहल

16 नवंबर 2024

एक वर्ष के अभियान के अनुभव के बाद संस्था ने अभियान को अधिक संगठित एवं स्थायी रूप देने के लिए गांव और पंचायत स्तर पर जागरूकता कमेटियों के गठन का निर्णय लिया। संचालन समिति और सलाहकार समिति बनाने, गांव-पंचायत स्तर पर जागरूकता कमेटियां गठित करने, युवाओं के लिए काउंसलिंग गतिविधियां शुरू करने तथा शिक्षण संस्थानों में छात्र जागरूकता कमेटियां बनाने की दिशा में पहल की गई।

जागरूकता कमेटियां बनाकर घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान को आगे बढ़ाएगी संस्कार संस्था

सवेरा न्यूज/प्रदीप कुमार

घुमारवीं, 16 नवम्बरः संस्कार सोसायटी घुमारवीं उपमंडल के गांव गांव में जागरूकता कमेटियां बनाकर घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान को आगे बढ़ाएगी। यह बात प्रेस को संबोधित करते हुए संस्था के संस्थापक महेंद्र धमार्नी ने कही, उन्होंने कहा कि लोगों ने दलगत राजनीति से उठकर लोगों को इस अभियान में अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि 15 अक्तूबर 2023 से घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान शुरू किया था । एक वर्ष में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से युवाओं , माता-पिता और जनता को सचेत और जागृत करने का प्रयास संस्कार सोसायटी द्वारा किया गया। शिक्षण संस्थानों, पंचायत प्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, कोचिंग सैंटर, महिला मंडल के साथ मिलकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर संस्था के सदस्यों द्वारा जागरूक किया गया। महेंद्र धमार्नी ने कहा कि आगामी वर्ष के लिए संस्था द्वारा निर्णय लिया गया कि एक ₹संचालन समितिɜ और एक ₹एडवाइजरी समितिɜ बनाने का निर्णय लिया गया। समितियां गांव व पंचायत स्तर पर लोगों से संपर्क करके गांव व पंचायत स्तर पर



प्रेसवार्त्ता करते हुए महेन्द्र धर्माणी।

जागरूकता कमेटियों का गठन करेगी । इन जागरूकता कमेटियों के माध्यम से गांव पंचायत स्तर पर युवाओं के लिए काऊंसलिंग की शुरूआत भी की जाएगी। इसके अतिरिक्त शिक्षण संस्थानों में प्रधानाचार्य अध्यापक के साथ मिलकर छात्रों की जागरूकता कमेटियां भी बनाई जाएगी। संचालन कमेटी के संयोजक सुनील शर्मा पूर्व प्रधानाचार्य, बांके बिहारी चंदेल, बिशन सिंह जमवाल,अश्विनी कातना, देवदत्त, सतीश गौतम , सहसंयोजक होंगे। हरीश कुमार ,देवराज, रीना देवी, देवराज ,केशव संख्यान, निर्मला देवी, राजेश शुक्ला, त्रिलोक चंद , वेद प्रकाश, संजीव चौधरी, महेश कुमार, लाल सिंह, राजेश शर्मा, मदन मोहन, बाबूलाल और दलेल सिंह आदि संचालन समिति के सदस्य होंगे। सलाहकार समिति में किशोरी लाल शर्मा उप प्रधान घुमारवीं पंचायत अध्यक्ष, मदन कांत, डॉक्टर के इस वर्मा, डॉक्टर सुनील चंदेल, रामस्वरूप शामा, ओपी शर्मा ,रविंद्र ठाकुर, जेके शर्मा, अनमोल कुमार, अजय शर्मा, टी एस पठानिया, अमरनाथ शर्मा और चिंतारामसदस्य होंगे। पंचायत प्रतिनिधियों में जो इस अभियान से जुड़े रहे वह भी सलाहकार समिति के सदस्य होंगे जिनमें जिला परिषद अध्यक्ष विमला कुमारी, नगर परिषद अध्यक्ष रीता सहगल, प्रधान लुहारवी पंचायत आशा ठाकुर, प्रधान फतोह पंचायत पदमा देवी, राजकुमार शर्मा, अजय शर्मा, रवि कौशल, आई डी शर्मा है।

10. विशेषज्ञ कार्यशाला

29 सितंबर 2024 – होटल प्रांचल, घुमारवीं

नशे की समस्या को समझने और उसके समाधान पर चर्चा के लिए विशेषज्ञ कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें श्री ओ.पी. शर्मा, पूर्व नारकोटिक अधिकारी एवं पूर्व संयोजक, नशा निवारण कमेटी, हिमाचल प्रदेश तथा मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता श्रीमती शीतल वर्मा ने विचार रखे। कार्यशाला में नशे की उपलब्धता, युवाओं पर प्रभाव, उपचार, काउंसलिंग, अभिभावकों की भूमिका तथा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के साथ संवाद जैसे विषयों पर चर्चा हुई।







संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

नशे की उपलब्धता ही युवाओं को नशे की दलदल में फंसा रही : ओपी शर्मा

कहा, हिमाचल को चिट्टे से नहीं बचाया तो यह भी उड़ता पंजाब बन जाएगा

नीरज शर्मा, घुमारवीं



संस्कार सोसाइटी प्रदेश में ड्रग को खत्म करने के लिए बड़ा काम कर रही है। यह बात मुख्य वक्ता ओम प्रकाश शर्मा पूर्व नारकोटिक अधिकारी एवं पूर्व संयोजक नशा निवारण कमेटी हिमाचल प्रदेश ने कही। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है। पड़ोसी देश यह पचा नहीं पा रहे हैं कि भारत एक युवा व शक्तिशाली देश है। पाकिस्तान आईएसआई की मदद से ड्रग की बहुत बड़ी खेती कर रहा है। उन्होंने कहा कि नशे की उपलब्धता ही युवा को खराब कर रही हैं। अगर तीन वर्षों में प्रदेश को इस चिट्टे से बचाया नहीं गया तो हिमाचल प्रदेश का भी पंजाब की तरह हाल हो जाएगा। सरकार को इसपर कठोर से कठोर निर्णय लेने होंगे। उन्होंने कहा कि 1985 एक्ट तहत प्रदेश में चार एजेंसी या विभाग हैं, जिनका काम एंटी ड्रग के लिए काम करना है। केवल एक ही विभाग पुलिस विभाग ही काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कार सोसाइटी घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान में नेशनल लेवल की तरह साइंटिफिक लेवल से काम कर रही है। पंजाब में प्रेगा और फेंटानील जैसे ड्रग बिकना शुरू हो गई है जोकि चिट्टा से 40 प्रतिशत खतरनाक है। इसे बचने के लिए आधुनिक ट्रीटमेंट प्लांट की आवश्यकता है और मॉडर्न नशामुक्ति केंद्र बनाने होंगे। आज डार्क नेट (इंटररनेट) से कमरे में ड्रग सप्लाई हो रही है।

वहीं, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता शीतल वर्मा ने कहा कि चिट्टा नामक नशे को खत्म करना एक व्यक्ति काम नही इसके लिए हम सभी को काम करना पड़ेगा। यह काम सरकारों के साथ साथ हम सभी को भी करना पड़ेगा। अध्यापकों को भी अपनी क्लास में 5 मिनट के लिए बच्चों को एंटी ड्रग के प्रति जानकारी देनी चाहिए और बच्चों को साफ वातावरण देना पड़ेगा, ताकि बच्चे अध्यापक के साथ हर बात साझा करें। उन्होंने कहा कि मैं आज तक 8 लाख बच्चों से इंटरेक्शन कर चुकी हूं। अभिभावकों को बच्चों के साथ हर रोज चर्चा करनी चाहिए कि वो स्कूल में क्या करते हैं। हमें बच्चों को ड्रग के बारे में बताना होगा कि ये हमारे घर का कल्चर नहीं है। कार्यशाला में घुमारवीं उपमंडल के पंचायत प्रतिनिधि व गांव के अन्य वरिष्ठ लोगों उपस्तिथ रहे। (अनंत ज्ञान)

संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

11. वर्ष 2025 में अभियान का विस्तार

2 फरवरी से 31 मार्च 2025

वर्ष 2025 में संस्था ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य पहले से स्थापित संपर्कों को आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करना रहा।

12. “चिट्टा” विषय पर कवि सम्मेलन

2 मार्च 2025 – रैन बसेरा, घुमारवीं

“घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा” अभियान के अंतर्गत कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें वरिष्ठ लेखक श्री कुलदीप चंदेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा जिले के प्रख्यात एवं युवा कवियों ने भाग लिया। कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने, अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखने तथा नशे के विरुद्ध सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।







संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

चाहे दोस्तों ने पिलाया या शौक में लगी लत, नशे से बच्चों को बचाना जरूरी

चिट्टे के विरुद्ध अभियान चलाने वाली संस्कार सोसायटी पहली संस्था : धर्माणी

अनंत ज्ञान, घुमारवीं



घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा के तहत संस्कार सोसायटी घुमारवीं ने रैन बसेरा में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसें मुख्यातिथि के रूप में वरिष्ठ लेखक कुलदीप चंदेल उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भारत के युवा को नशे से खोखला करने के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ हो सकता है। हमें चिट्टा सप्लायरों की चेन को तोड़ना होगा। अपने बच्चों के साथ मित्र की तरह रहे और बच्चों से दूरी बिलकुल भी न बनाए। कार्यक्रम अध्यक्ष रविंद्र शर्मा लेखक महासंघ महासचिव ने कहा कि संस्था नशे के प्रति समाज मे जागरूकता कर नेक कार्य कर रही है। पुलिस चाहे तो चिट्टा बिकना बन्द हो जाए अगर ईमानदारी से काम करे। सहानुभूति से बच्चों से नशे को छुड़ाए।

कवि सम्मेलन में जिला के प्रख्यात कवियों व युवा कवियों ने भाग लिया और कविताओं के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। नाम ही है चिट्टा काम है काले, माता पिता क्या करे जब हर जगह पहुच रहा चिट्टा, ढाई इंच की सृंज से युवा के खून को पानी बनाया जा रहा है चिट्टा, नशे से दुखने लगी हड्डियां,मत फसा इस चिट्टा रे नशा नहीं तो हो जाना बर्बाद, चिट्टे नो न लगायो हाथ मेरे युवा साथियो, उड़ता पंजाब कब बन गया शांत हिमाचल मेरा, चिट्टा चिट्टा गलि मोहले च बिक़दा तस्कर बेची नी रजदा, फिटे मुह चिटुआ, नशा मुक्त अभियान चलाकर चिट्टा नामक राक्षस को भगाना है, शर्म करो चिट्टे रे बपारियो पुड़िया च मत बेचो मौत, मौत रे बपरिया जो चक्के भगवान, चिट्टे के खिलाफ है समाज में अलख जगाना है, बच्चा अपना हो या पराया सब को बचाना ह, चिट्टा है मीठा जहर ,चिट्टे रे नशे ज्यूंदे ही मारे, किने बगाड़े मारे गबरू आदि कविताओं से चिट्टे के प्रति जागरूक किया।

संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि चिट्टे से आज हमारे बच्चे ऐसे मर रहे है जैसे पेडों से पत्ते झड़ रहे हो , इसे रोकने के लिए नशे माफिया पर लगाना और चिट्टा के नशे में फंस चुके बच्चों को काउंसिलिंग की मदद से बाहर निकालने का काम करना होगा अब भाषण से काम नहीं चलेगा। बच्चों को चाहे शौक में या दोस्तों ने चिट्टा पिलाया हो, हमें उनकी काउंसिलिंग करनी होगी और बच्चों को ऐसा माहौल देना होगा कि वे अपने दिनचर्या की हर बात अपने माता-पिता से साझा करें। छोटे बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

13. खेल एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से नशा विरोधी प्रयास

23 मार्च 2025

श्यामला एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित संगोष्ठी में नशे की समस्या से निपटने के लिए खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस अवसर पर संस्कार सोसाइटी द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के योगदान को मान्यता देते हुए संस्था के संस्थापक श्री महेंद्र धर्माणी को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल द्वारा सम्मानित किया गया।



नशे के विरुद्ध चलाए अभियान पर संस्कार सोसायटी सम्मानित

महेंद्र धर्माणी को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल द्वारा सम्मानित किया गया

सवेरा न्यूज/ प्रदीप कुमार

घुमारवीं, 24 मार्च : श्यामला एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित संगोष्ठी में नशे की बुराई पर अंकुश के लिए खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की रणनीति विषय पर आयोजित संगोष्ठी में संस्कार सोसायटी घुमारवीं द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की सराहना की गई। इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए समिति के संस्थापक महेंद्र धमानी को कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल द्वारा सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में संस्कार सोसायटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए इस तरह के अभियान अत्यंत आवश्यक हैं।



राज्यपाल से सम्मान प्राप्त करते महेंद्र धर्माणी।

महेंद्र धर्माणी ने सोमवार को प्रेस को जारी किए अपने बयान में इसे उनकी टीम के समर्पण का परिणाम बताया। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों और इस अभियान में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति आभार प्रकट किया।

महेंद्र धर्माणी ने कहा कि वर्तमान समय में नशे, विशेषकर चिट्टे का प्रचलन युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बना रहा है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने बताया कि संस्कार सोसायटी लंबे समय से नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चला रही है।जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों से संवाद कर लोगों को जागरूक किया जाता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस अभियान में शामिल होकर नशे के खिलाफ आवाज उठाएं और अपने परिवार व समाज को इस संकट से बचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

14. विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

29 मई 2025

विद्यार्थियों को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 40 स्कूलों के 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता श्रीमद्भगवद्गीता और रामायण पर आधारित थी।


अपनी संस्कृति
अपनी विरासत


अपनी संस्कृति
अपनी विरासत





संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

गीता और रामायण प्रश्नोत्तरी में रितिका और अक्षांश विजेता



प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करते मुख्यातिथि। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

संस्कार संस्था की ओर से कराई गई प्रतियोगिता

घुमारवीं (बिलासपुर)। संस्कार सोसाइटी घुमारवीं की ओर से वीरवार को प्रताप जयंती पर संस्कार और सरोकार अभियान के तहत श्रीमद्भागवत गीता और रामायण पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में घुमारवीं उपमंडल के 40 स्कूलों के 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में होली हार्ट स्कूल घुमारवीं की रितिका धर्माणी और अक्षांश चंदेल ने पहला, एसवीएम घुमारवीं के सूरज और दीपांश ने दूसरा और नवालोक आदर्श विद्यालय खनसरा की अक्षिता और वर्षा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले स्थान के लिए 2100 रुपये, दूसरे स्थान के लिए 1500 रुपये और तीसरे स्थान के लिए 1100 रुपये का इनाम दिया गया।

साथ ही अन्य प्रतिभागी बच्चों में अनिका धीमान, कृतिका, देवराज, सुनाक्षी, आकृति और तपस्या को 500 रुपये सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर ओपी शर्मा पूर्व निदेशक शिक्षा हिमाचल प्रदेश ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि संस्कार संस्था संस्कृति और संस्कार को निरंतर आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

त्याग, वीरता, साहस हमारी संस्कृति में है। गीता और रामायण संस्कृति के अटूट अंग है। इनमें आदर्शवाद, कर्मों की प्रधानता है, जिस कारण ये दुनिया में सर्वोपरि है। संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि गीता जीवन दर्शन है, सत्य है, सनातन है इसलिए इसे युवा पीढ़ी गीता को पढ़े।

उन्होंने बच्चों से कहा कि गीता और रामायण को जीवन में अपनाएं। जो क्विज में सफल नहीं हुए वो निराश न हों। असफलता के बाद ही सफलता मिलती है।

15. वर्ष 2025 में व्यापक सामाजिक नेटवर्क का निर्माण

26 सितंबर 2025

राज्य स्तर पर चिट्टे के विरुद्ध व्यापक अभियान को आगे बढ़ाने के लिए 17 स्वयंसेवी संस्थाओं ने एक साथ आकर “संजीवनी” नामक संस्था का गठन किया।

चिट्टे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने को एक मंच पर एक साथ आई 17 स्वयंसेवी संस्थाएं

'संजीवनी' के बैनर तले एकजुट होकर करेंगे चिट्टा पर चोट : महेंद्र

आज समाज नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार पैर पसार रहे चिट्टा पर चोट करने को राज्यभर की 17 स्वयंसेवी संस्थाएं एकजुट हुई हैं। इन संस्थाओं ने मिलकर संजीवनी नामक संस्था का गठन किया है, जिसके माध्यम से चिट्टा के खिलाफ करारी चोट की जाएगी और युवा पीढ़ी को नशे को जंजाल से बाहर निकालने का प्रयास करेगी।

संजीवनी संस्था के अध्यक्ष महेंद्र धमाणी ने वीरवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि राज्यभर में चिट्टा जिस तेजी से पैर पसार रहा है वह गंभीर चिंता का विषय है और इससे राज्य में हर क्षेत्र में परिजन चिंतित हैं। परिजनों को खौफ है कि उनका बच्चा इसकी चपेट में न आ जाए। उन्होंने कहा कि संजीवनी के बैनर तले वे एकजुट होकर राज्यभर में जागरूकता अभियान चलाएंगे और युवा पीढ़ी को नशे के इस दलदल से



बाहर निकालने लग। धमाणी ने कहा कि प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे चिट्टे के खिलाफ यहां विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर हाचिट्टा मुक्त हिमाचलह्व अभियान की शुरूआत की है। अभी सात जिलों की 17 स्वयंसेवी संस्थाएं "संजीवनी" संस्था के बैनर तले एक मंच पर आई और नशे के खिलाफ व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नशा हिमाचल के युवाओं को खोखला कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में सिंथेटिक ड्रग 'चिट्टा' ने युवाओं का सबसे अधिक जीवन तबाह किया है। वर्ष 2014 में केवल 57.4 ग्राम चिट्टा पकड़ा गया था, जबकि 2024 में 11 महीनों में ही 16 किलो से अधिक नशा बरामद हुआ। गृह विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पकड़ी जाने वाली मात्रा असली खपत का केवल 2 से 3 प्रतिशत ही है। धमाणी ने बताया कि उनकी संस्था संजीवनी 25 सितंबर से 25 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में चिट्टा का खिला? जागरूकता अभियान चलाएगी। इसमें कम से कम 5,000 लोगों से सीधा संपर्क कर उन्हें नशा मुक्ति से जोड़ा जाएगा।

वहीं, नवंबर माह के पहले सप्ताह में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित होगी, जिसमें सामाजिक संस्थाएं, खिलाड़ी, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद और अधिकारी भाग लेंगे। महेंद्र धमाणी ने कहा कि युवाओं को नशे की दलदल से बाहर निकालना हमारी प्राथमिकता है। पुलिस-प्रशासन को छोटी मछलियों पर नहीं, बल्कि बड़े नेटवर्क पर कार्रवाई करनी चाहिए। जब तक प्रदेश पूरी तरह नशामुक्त नहीं होता, वह अभियान जारी रहेगा।

युवाओं को चिट्टे से बचाने के लिए चलेगा अभियान

स्वयंसेवी संस्थाओं, पंचायत जनप्रतिनिधियों, महिला और युवक मंडलों को भी लिया जाएगा साथ

शिमला। प्रदेश के युवाओं को चिट्टे से बचाने और चिट्टे के संपूर्ण बहिष्कार करने और एकजुट हो कर लड़ाई लड़ने के लिए वीरवार को एनजीओ स्वयंसेवी संस्थाओं की एक मातृ संस्था संजीवनी का गठन किया गया। इसको लेकर वीरवार को राजधानी में हुई 16 संस्थाओं के पदाधिकारियों की बैठक में आम सहमति से संजीवनी संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

इस मातृ संस्था के अध्यक्ष महेंद्र कुमार धर्माणी, महासचिव नरेश शर्मा, उप प्रधान डा. नितिन व्यास, सुरेंद्र कुमार, डा. जोगेंद्र सकलानी, संजीव शर्मा, टिक्कु ठाकुर, रत्न ठाकुर और



शिमला में जानकारी देते संजीवनी संस्था के पदाधिकारी। -संवाद

मुख्य सलाहकार ओपी शर्मा व सलाहकार जोगेंद्र कंवर व अन्य पदाधिकारियों ने चिट्टे के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियान की रूपरेखा साझा की।

उन्होंने कहा कि संजीवनी संस्था संयुक्त मंच बनाकर सभी स्वयं सेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवक मंडलों, पंचायतों के प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों, मनोचिकित्सकों को जोड़ने के लिए 25 सितंबर से 15 अक्तूबर तक प्रदेशभर में अभियान चलाएगी। इसमें पांच हजार जागरूक लोगों और संस्थाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। नवंबर में संजीवनी प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आयोजित करेगी।

यह संस्था प्रदेशभर में गांव-गांव तक संस्थाओं और आम लोगों के सहयोग से युवाओं को जागरूक करने और प्रदेश में सक्रिय चिट्टा तस्करों का समूल सफाया करने के लिए कार्य करेगी। इसमें प्रशासन और पुलिस का भी सहयोग किया जाएगा।

महेंद्र कुमार ने कहा कि संस्था राजनीति से ऊपर उठकर जनसहयोग से आगे बढ़ेगी। महेंद्र ने कहा कि 16 संस्थाओं को मातृ संस्था में जोड़ दिया गया है। इसकी कार्यकारिणी में मुनीष कुमार, संदीप ओक्टा, देवेंद्र ठाकुर, प्रदीप शर्मा, अजय शर्मा व संजीव को सचिव, डीपी शर्मा को कोषाध्यक्ष, राजू ठाकुर, को कार्यालय सचिव, टिक्कू ठाकुर को मीडिया सचिव के अलावा कमल ठाकुर, कैप्टन अतुल शर्मा, मनोज, पीयूष वर्मा को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। ब्यूरो

2 अक्टूबर 2025

संस्कार सोसाइटी को सीर उत्सव के अवसर पर सामाजिक कल्याण एवं नशा मुक्ति के क्षेत्र में किए गए कार्य के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।


सीर उत्सव

सीर उत्सव

OFFICE OF SUB-DIVISIONAL MAGISTRATE GHUMARWIN

Distt. Bilaspur (H.P.)

Certificate of Appreciation

This certificate is proudly presented to Sh./Smt. Kundan Patwary Sanskar Society on the occasion of "Seer Utsav" in the recognition of his/her service done in the field of Social Welfare & Drug De-addiction.

Your dedication, sincerity, and commitment to public service have made a significant impact, and we are grateful for your support.

Place : Ghumarwin
Date : 03/10/2025

Sub-Divisional Magistrate (SDM)
Ghumarwin, District Bilaspur (H.P.)

20 नवंबर 2025

अभियान के अंतर्गत घुमारवीं क्षेत्र में लगभग 500 लोगों से संपर्क किया गया। इसके अतिरिक्त टैक्सी यूनियन, स्कूल प्रधानाचार्यों और व्यवसायियों से भी संपर्क किया गया।



टैक्सी यूनियन को चिट्टे के प्रति किया जागरूक



टैक्सी यूनियन के सदस्यों के साथ बातचीत करते संस्कार सोसायटी के पदाधिकारी। संवाद

घुमारवीं (बिलासपुर)। संस्कार सोसायटी घुमारवीं द्वारा शुरू किया गया घुमारवीं अंगेस्ट चिट्टा जागरूकता अभियान जिले में तेजी से गति पकड़ रहा है। शनिवार को इस अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम हुआ, जिसमें सोसायटी के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने घुमारवीं में शिवा टैक्सी यूनियन के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें चिट्टे के खतरे के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने कहा कि समाज को नशे के खिलाफ एकजुट करने के उद्देश्य से चल रहा यह अभियान अब जिले में हर पंचायत स्तर से लेकर सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और विभिन्न समुदायों तक पहुंचाया जा रहा है। अभियान के तहत सोसायटी के

घुमारवीं अंगेस्ट चिट्टा अभियान पकड़ रहा तेजी

पदाधिकारी लगातार विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं और उन्हें चिट्टे के खिलाफ इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

उन्होंने सभी सदस्यों से इस पहल को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने और युवाओं को नशे के दलदल से बचाने के लिए आगे आने की अपील की। शिवा टैक्सी यूनियन के प्रधान सुरेश शर्मा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी इस चिट्टा नशे के दलदल में फंसती जा रही है। संस्कार सोसायटी द्वारा चलाया गया घुमारवीं अंगेस्ट चिट्टा अभियान बहुत ही सराहनीय कार्य है। संवाद

संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान





संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

व्यवसायियों को किया नशे के विरुद्ध जागरूक

संस्कार सोसायटी ने चलाया जागरूकता अभियान, युवाओं से की नशा छोड़ने की अपील



घुमारवीं : चिट्टे के विरुद्ध चलाए अभियान के तहत लोगों से मिलते हुए संस्था के पदाधिकारी। (जम्वाल)

घुमारवीं, 26 नवम्बर (जम्वाल): संस्कार सोसायटी घुमारवीं द्वारा "घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान को नई गति देते हुए बुधवार को भगेड़ क्षेत्र के व्यवसायियों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया।

इस दौरान जितेंद्र कौशल, रामलाल, सन्नी महाजन समेत कई व्यापारियों ने समाज से नशे को समाप्त करने के अभियान में अपना सहयोग देने का संकल्प लिया।

संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों और शैक्षणिक संस्थानों में जाकर युवाओं और शिक्षकों से नशामुक्त समाज बनाने का आह्वान किया। संस्था की ओर से बताया गया कि "चिट्टा" जैसी घातक नशे की लत युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बना रही है, इसलिए इस दिशा में जागरूकता बेहद जरूरी है।

संस्था की टीम ने भी विद्यार्थियों को, युवाओं को जीवन में सकारात्मक दिशा अपनाने, सही संगति में रहने और नशे से दूरी बनाकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्कार सोसायटी ने भविष्य में इस अभियान को और व्यापक स्तर पर चलाने का संकल्प लिया, ताकि समाज से "चिट्टा" जैसी बुराई को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।



संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान





संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

संस्कार सोसायटी ने 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा' अभियान को दी नई ताकत

अनंत ज्ञान, घुमारवीं



संस्कार सोसायटी घुमारवीं द्वारा 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा' अभियान को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से शनिवार को शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व निजी प्रतिष्ठानों में जाकर इस अभियान के तहत विस्तृत चर्चा की। जिसके तहत संस्था ने पहले मिनर्वा सीनियर सेकेंडरी स्कूल घुमारवीं, शिक्षा अकादमी घुमारवीं, चंदेल बुक डिपो तथा ओम प्रकाश एंड संस सहित कई संस्थानों में जाकर इस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान संस्थानों के संचालकों व शिक्षकों से समाज को नशामुक्त बनाने के इस महत्वपूर्ण अभियान में सहयोग की अपील की गई।

संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी के नेतृत्व में टीम ने लोगों को चिट्टा जैसे घातक नशे से दूर रहने और समाज को इस दिशा में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया। सभी प्रतिष्ठानों के संचालकों ने इस अभियान का समर्थन करते हुए अपने स्तर पर भी सहयोग का आश्वासन दिया। इन मुलाकातों के बाद संस्कार सोसायटी की टीम ने नवलोक आदर्श विद्यालय खनसरा, मेहरी काथला में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्रों को चिट्टे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

संस्था के पदाधिकारी डॉ. पुष्पराज शर्मा ने करीब एक घंटे तक विद्यार्थियों की काउंसलिंग की। उन्होंने बच्चों से खुलकर बातचीत करते हुए उन्हें जीवन में सकारात्मक दिशा अपनाने, लक्ष्य निर्धारित करने और नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक व सामाजिक नुकसान के बारे में जागरूक किया। विद्यालय की मुख्याध्यापिका सुमन चंदेल तथा अध्यापक अनूप शर्मा कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने संस्कार सोसायटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम बच्चों को सही दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्कार सोसायटी घुमारवीं ने भविष्य में भी इस अभियान को और व्यापक स्तर पर चलाने का संकल्प लिया है, ताकि समाज से चिट्टा जैसी बुराई को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

16. राज्य स्तरीय पहल – "संजीवनी" एवं "चिट्टे पर चोट"

7 दिसंबर 2025

"संजीवनी" के अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने कार्यशाला "चिट्टे पर चोट" का शुभारंभ किया। कार्यशाला में नशे के विरुद्ध संघर्ष को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखने तथा परिवार, समुदाय एवं संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।





संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान



शिमला में कार्यशाला में शिव प्रताप शुक्ल की नशे के खिलाफ लोगों से एकजुट होने की अपील

उंगली दिखाने से नहीं मुट्ठी दबाने से होगी चिट्टे पर चोट : राज्यपाल

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा है कि चिट्टे पर चोट के लिए उंगली दिखाने से काम नहीं चलेगा, मुट्ठी दबाने से बात बनेगी।

पक्ष और विपक्ष ने एकजुटता दिखाई इसके लिए बधाई

राज्यपाल रविवार को गैर-सरकारी संगठनों के समूह संजीवनी की ओर से चिट्टे पर चोट विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस को कड़ी कार्रवाई के साथ चिट्टे से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण भी अपनाना चाहिए। समाज से नशे के उन्मूलन के लिए गैर-सरकारी संगठनों के साथ धार्मिक संस्थाओं की भागीदारी भी जरूरी है। विदेशी एजेंसियों द्वारा संचालित नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है।

राज्यपाल ने नशे के खिलाफ प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना की। कहा कि सरकार और विपक्ष अब जाग गए हैं, विशेष रूप से विधानसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष की ओर से इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इसके लिए नेता प्रतिपक्ष भी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि चिट्टे पर चोट केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक संकल्प है। संजीवनी संस्था नशा विरोधी संदेश के प्रसार के साथ नीति सुधार, क्षमता निर्माण, शोध, जागरूकता और सामुदायिक हस्तक्षेप पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल को नशे से बचाने के लिए हर व्यक्ति को सतर्क और संवेदनशील रहना होगा। युवाओं का नशे के जाल में फंसना केवल एक व्यक्ति विशेष के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि यदि सरकारी एजेंसियां, पुलिस, प्रशासन, पंचायतें, स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संगठन एकजुट होकर काम करें तो हिमाचल को नशा मुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई प्रेरणा से शुरू किए गए नशा मुक्त हिमाचल अभियान को पूरे प्रदेश में जनसमर्थन मिल रहा है। राज्यपाल ने अमर उजाला में रविवार के अंक में प्रकाशित खबर का जिक्र करते हुए चिट्टे की लत लगवा कर युवतियों के शारीरिक शोषण और तस्करी को भी खौफनाक स्थिति बताया।



कार्यशाला का शुभारंभ करते राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल। संवाद

17 संस्थाओं ने चिट्टे पर चोट के लिए बनाया रोड मैप

शिमला। संजीवनी संस्था के बैनर तले प्रदेश के सात जिलों की 17 संस्थाओं ने रविवार को शिमला में कार्यशाला के दौरान चिट्टे पर चोट के लिए रोड मैप तय किया। अध्यक्ष महेंद्र शर्माणी ने कहा कि 17 एनजीओ के साथ समन्वय स्थापित कर चिट्टे पर चोट अभियान के माध्यम से विशेषज्ञों के सुझावों पर पंचायत स्तर पर काम करेगा। महासचिव नरेश शर्मा ने कहा कि कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण कैंप था जिसे फील्ड में लागू किया जाएगा। डा. नितिन व्यास ने संस्था की योजना पर प्रकाश डाला। सलाहकार जोगिंदर कंवर, उपाध्यक्ष नितिन व्यास, डॉ. जोगिंदर सकलानी, ओम प्रकाश शर्मा सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। ब्यूरो

तस्करी में शामिल पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई करो : राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कार्यक्रम के दौरान डीजीपी को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह देश भर में पुलिस बैंड हार्मनी ऑफ द पाइंस मशहूर है, उसी तरह चिट्टा तस्करी में शामिल पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्रवाई कर मिसाल कायम करो। अपने घर से शुरूआत होनी चाहिए, ताकि कोई सवाल न उठा सके।

दवाओं, परिवारिक सहयोग से इलाज संभव : डॉ. निधि

आईजीएमसी की मनोचिकित्सक डॉ. निधि शर्मा ने कहा कि नशे की लत मानसिक बीमारी है। मस्तिष्क में बदलाव से नशा करने की तीव्र इच्छा पैदा होती है। चिट्टा रोगी का डांट फटकार से नहीं दवाओं, काउंसलिंग और परिवारजनों की काउंसलिंग कर उपचार हो सकता है। चिट्टा छोड़ने के बाद, तीव्र इच्छा जागने पर दोबारा चिट्टा लेने से ओवरडोज डेथ होने का जोखिम बढ़ जाता है। तुरंत इलाज न मिलने पर दम घुटने से मौत होती है।

हिमाचल नहीं बन सकता है उड़ता पंजाब : अरविंद

पुलिस उप महानिरीक्षक अरविंद विग्विजय नेगी ने कहा कि सोशल मीडिया में कई बार हिमाचल की तुलना पंजाब से की जाती है, यह गलत है। हिमाचल कभी उड़ता पंजाब नहीं बन सकता। अन्य राज्यों के मुकाबले हिमाचल पुलिस नशा तस्करों पर कार्रवाई करने में भी आगे है। प्रदेश की 1855 पंचायतें रेड, 1108 येलो और 715 ग्रीन जोन में चिन्हित हुई हैं।

एनडीपीएस एक्ट में कठोर प्रावधान : पीयूष वर्मा

वरिष्ठ अधिवक्ता पीयूष वर्मा ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 47 में राज्य का दायित्व है कि नशे के दुरुपयोग को रोका जाए। धारा 64ए में व्यक्ति के पास 5 ग्राम से कम चिट्टा बरामद होता है और वह स्वीकार करे कि नशा छोड़ना चाहता है, तो उसे पुनर्वास का अवसर देता है। धारा 37 में मादक पदार्थों की व्यावसायिक मात्रा पर जमानत न देने का प्रावधान है।

17. वर्ष 2026 – जोन आधारित सामुदायिक अभियान

11 जनवरी 2026 – घुमारवीं

अभियान को अधिक संगठित एवं प्रभावी बनाने के लिए घुमारवीं उपमंडल की 43 पंचायतों तथा नगर परिषद क्षेत्र को अलग-अलग जोन में विभाजित कर जागरूकता गतिविधियां चलाने का प्रस्ताव सामने आया। भराड़ी स्थित विश्राम गृह में आयोजित चर्चा बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों एवं महिलाओं ने भाग लिया।

क्षेत्र को 8 जोन में विभाजित कर प्रत्येक जोन में जागरूकता बैठकें आयोजित करने तथा लगभग 7-8 पंचायतों को एक जोन के अंतर्गत जोड़कर स्थानीय स्तर पर समन्वित अभियान चलाने की दिशा में पहल की गई।

नशे के नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए जोन में बांटा जाएगा घुमारवीं का पूरा क्षेत्र

संस्कार संस्था ने भराड़ी में चिट्टे के खिलाफ निर्णायक जंग का किया आह्वान



घुमारवीं | उप तहसील भराड़ी के विश्राम गृह में चिट्टे के बढ़ते खतरे को रोकने के उद्देश्य से चर्चा बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्कार सोसायटी घुमारवीं द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत आयोजित हुआ। जिसमें क्षेत्र के दर्जनों लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। बैठक में संस्कार सोसायटी के संस्थापक महेंद्र धर्माणी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए एकजुट प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने चिट्टे जैसे घातक नशे को जड़ से खत्म करने के लिए अपने-अपने विचार साझा किए। चर्चा के दौरान एक सुझाव सामने आया कि घुमारवीं नगर परिषद सहित क्षेत्र की 43 पंचायतों को अलग-अलग जोन में विभाजित कर चिट्टे के खिलाफ एक संगठित और निर्णायक अभियान चलाया जाए। इस सुझाव को सभी ने सराहा और संस्कार सोसायटी ने इसे शीघ्र अमल में लाने का भरोसा दिलाया। माना जा रहा है कि जोन स्तर पर काम होने से निगरानी मजबूत होगी और नशे के नेटवर्क पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाया जा सकेगा। संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि यदि समय रहते नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को नहीं बचाया गया तो इसके परिणाम जानलेवा साबित हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि समाज में चिट्टे के खिलाफ समाज और सरकार की अलग अलग भूमिका है। सामजिक संस्थाएं जागरूकता के लिए कार्य कर रही है । लेकिन सरकार को ठोस कदम उठाते हुए चिट्टे को रोकने का काम करना होगा।

समाज को नशे से बचाने के लिए सभी हों एकजुट : महेंद्र धर्माणी

अश्वनी कुमार, अनंत ज्ञान

भराड़ी। उपतहसील भराड़ी के विश्राम गृह में चिट्टे जैसे घातक नशे के बढ़ते खतरे को रोकने के उद्देश्य से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संस्कार सोसायटी के संस्थापक महेंद्र धर्माणी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए एकजुट प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि नशे की समस्या केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। सभी ने एकमत होकर निर्णय लिया कि संस्कार सोसायटी द्वारा चलाई जा रही इस मुहिम में वे अपने-अपने स्तर पर योगदान देंगे और अपने गांव से शुरुआत कर पूरे विधानसभा क्षेत्र तथा प्रदेश भर में इस नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे। बैठक में सुझाव दिया गया कि घुमारवीं नगर परिषद सहित क्षेत्र की 43 पंचायतों को अलग-अलग जोन में विभाजित कर चिट्टे के खिलाफ एक संगठित और निर्णायक अभियान चलाया जाए। इस सुझाव को सभी ने सराहा और संस्कार सोसायटी ने इसे शीघ्र अमल में लाने का भरोसा दिलाया। माना जा रहा है कि जोन स्तर पर काम होने से निगरानी मजबूत होगी और नशे के नेटवर्क पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाया जा सकेगा।

18. “चिट्टा पर चोट” सोशल मीडिया प्रतियोगिता

30 जनवरी 2026

संस्कार सोसाइटी ने “घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा” अभियान के अंतर्गत “चिट्टा पर चोट” नाम से सोशल मीडिया वीडियो प्रतियोगिता की घोषणा की। प्रतियोगिता की थीम “वीडियो छोटा, संदेश बड़ा” थी। इसमें विद्यार्थियों एवं महिलाओं को छोटे वीडियो/रील के माध्यम

से चिट्टे के दुष्प्रभाव, नशे से होने वाली सामाजिक समस्याएं, युवाओं पर प्रभाव और बचाव से संबंधित संदेश देने का अवसर दिया गया। प्रतियोगिता 1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित की गई।



चिट्टे के बढ़ते प्रचलन को लेकर संस्कार सोसायटी ने छेड़ा अभियान

सोशल मीडिया पर वीडियो प्रतियोगिता का होगा आयोजन, प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को पुरस्कार में मिलेंगे 10 हजार रुपये

संवाद न्यूज एजेंसी

घुमारवीं(बिलासपुर)। घातक नशे चिट्टा के बढ़ते प्रचलन के खिलाफ समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से संस्कार सोसायटी घुमारवीं ने बड़ा कदम उठाया है। सोसायटी ने घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के अंतर्गत चिट्टा पर चोट नामक सोशल मीडिया वीडियो प्रतियोगिता की घोषणा की है।

प्रतियोगिता का ऐलान सोसायटी के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने किया। उन्होंने इसे नशे के खिलाफ जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।उन्होंने ने कहा कि चिट्टा आज युवाओं के भविष्य पर सबसे बड़ा हमला है। यह नशा न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी अंदर से खोखला कर देता है। उन्होंने कहा कि अब चुप बैठने का समय नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को खुलकर सामने आना होगा।

इसी सोच के साथ यह प्रतियोगिता शुरू की जा रही है।

चिट्टा पर चोट नामक सोशल मीडिया वीडियो प्रतियोगिता का एलान करते संस्कार सोसायटी के संस्थापक महेंद्र धर्माणी और अन्य। संवाद

आकर्षक इनामी राशि से मिलेगा प्रोत्साहन

महिला एवं विद्यार्थी दोनों श्रेणियों के लिए इनामी राशि समान रखी गई है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 2,500 रुपये और पांच सांत्वना पुरस्कार 1,000 रुपये के दिए जाएंगे। सोसायटी का कहना है कि पुरस्कार केवल प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने का माध्यम हैं। उन्होंने महिलाओं, छात्रों और छात्राओं से अपील की कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें और सोशल मीडिया के माध्यम से नशे के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करें। यह प्रतियोगिता केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नशे के खिलाफ संघर्ष की शुरुआत है। संस्कार सोसायटी ने विश्वास जताया है कि यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाएगी और घुमारवीं सहित पूरे प्रदेश में नशा विरोधी संदेश को मजबूती से पहुंचाएगी।

प्रतियोगिता की थीम प्रतियोगिता वीडियो छोटा, संदेश बड़ा" थीम पर आधारित होगी। इसके तहत प्रतिभागी चिट्टा के दुष्प्रभावों, नशे से होने वाली सामाजिक तबाही और इससे बचाव को लेकर जागरूकता संदेश देने वाले छोटे वीडियो या रील बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर सकेंगे। प्रतियोगिता में किसी भी शिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राएं और महिलाएं भाग ले सकती हैं।

सोसायटी के अनुसार यह प्रतियोगिता उपमंडल घुमारवीं के अंतर्गत आने वाले छात्र-छात्राओं और महिलाओं के लिए आयोजित की जा रही है।

प्रतियोगिता 1 फरवरी सुबह 8 बजे से 28 फरवरी शाम 5 बजे तक चलेगी। इस दौरान प्रतिभागी अपने वीडियो अपलोड कर प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 50 रुपये का प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है।

19. सोशल मीडिया प्रतियोगिता एवं पुरस्कार

22 मार्च 2026

सोशल मीडिया प्रतियोगिता में महिला और छात्र वर्ग रखे गए। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार ₹10,000, द्वितीय ₹5,000, तृतीय ₹2,500 तथा पांच सांत्वना पुरस्कार ₹1,000 प्रत्येक निर्धारित किए गए। संस्था ने प्रत्येक प्रतिभागी को सम्मानित करने का निर्णय भी लिया। प्रतियोगिता में 49 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान





संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान

जो युवा मैदान में पसीना बहाएगा, वो नशे से रहेगा दूर: दीक्षा ठाकुर

बच्चों को दबाव से नहीं संवाद से बचाया जा सकते हैं अभिभावक: महेंद्र धर्माणी

भास्कर न्यूज | घुमारवीं

संस्कार सोसायटी द्वारा सोशल मीडिया वीडियो प्रतियोगिता एवं सहभागी वरिष्ठ जन सम्मान समारोह में मुख्यातिथि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी व आबकारी अधिकारी दीक्षा ठाकुर ने कहा कि युवाओं का स्पोर्ट्स में होना बहुत जरूरी है। जो युवा मैदान में पसीना बहता है, वो नशे तरफ नहीं जाता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों के साथ मित्रता पूर्ण व्यवहार से रहे, ताकि बच्चे आपके साथ अपनी दिनचर्या को साझा कर सके। उन्होंने बच्चों से कहा कि हमें



अपने गोल पर फोकस करना चाहिए। संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि बच्चे नशा क्यूं कर रहे हैं, ये समझना बहुत जरूरी है। बच्चों को दबाव से नहीं संवाद से बचाया जा सकता है।

20. युवा संवाद – चर्चा एवं संकल्प

17 मई 2026

संस्कार संस्था द्वारा "घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान के अंतर्गत युवा संवाद – चर्चा एवं संकल्प परिचर्चा आयोजित की गई। युवाओं और विद्यार्थियों ने चिट्टे की समस्या, इसके शारीरिक एवं मानसिक प्रभाव, युवाओं के प्रभावित होने के कारण और समाधान पर चर्चा की। युवाओं के माध्यम से अभियान को हर घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।


संस्कार सोसाइटी, घुमारवीं द्वारा
GHUMARWIN AGAINST चिट्टा
अभियान के अन्तर्गत
युवा संवाद - चर्चा और संकल्प


संस्कार सोसाइटी, घुमारवीं द्वारा
GHUMARWIN AGAINST चिट्टा
अभियान के अन्तर्गत
युवा संवाद - चर्चा और संकल्प

चर्चा व संकल्प परिचर्चा में चिट्टा मुक्त हिमाचल बनाने पर मंथन



बिलासपुर/सुमन डोगरा : संस्कार संस्था द्वारा घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान के अंतर्गत आयोजित युवा संवाद - चर्चा व संकल्प परिचर्चा में युवाओं और छात्रों ने चिट्टा मुक्त हिमाचल बनाने पर चर्चा की, सुझाव दिए तथा इस अभियान को युवाओं के माध्यम से हर घर तक ले जाने का संकल्प किया । परिचर्चा में चिट्टा के समाधान , इसका शारीरिक व मानसिक असर युवाओं की मनन स्थिति और कारणों पर हुई चर्चा के बाद संस्कार संस्था ने निर्णय लिया कि आने वाले समय में युवाओं और छात्रों के माध्यम से संस्था चिट्टा मुक्त घुमारवीं के लिए अलग से गतिविधियां आयोजित करेगी। संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने कहा कि संस्कार संस्था ने युवाओं और महिलाओं को इस अभियान से जोड़ने के लिए पिछले माह सोशल मीडिया प्रतियोगिता के माध्यम से एक अलग शुरुआत की थी और उसी को आगे बढ़ाते हुए आज घुमारवीं के आस पास के युवाओं ने इस विकराल समस्या पर चर्चा करके इसको गांव स्तर पर युवाओं की छोड़ी छोड़ी बैठक और संगोष्ठियों करने का संकल्प लिया।

21. वरिष्ठ जन संवाद कार्यक्रम

6 सितंबर 2026 – घुमारवीं

संस्कार संस्था द्वारा वरिष्ठजनों के सम्मान और उनके अनुभवों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से घुमारवीं में **वरिष्ठ जन संवाद कार्यक्रम** आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नौणी विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति **डॉ. के.आर. धीमान** ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान **80 वर्ष से अधिक आयु के करीब 250 वरिष्ठजनों को सम्मानित** किया गया।

डॉ. के.आर. धीमान ने वरिष्ठजनों को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि उनके अनुभव, संघर्ष और सीख युवा पीढ़ी को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विभिन्न पीढ़ियों के बीच संवाद और सहयोग को सामाजिक बदलाव के लिए आवश्यक बताया।

संस्था के संस्थापक **श्री महेंद्र धर्माणी** ने कहा कि वरिष्ठजनों के पास अनुभव, हुनर, संस्कृति और संस्कारों की अमूल्य पूंजी है, जिसे युवाओं तक पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों और युवाओं के बीच निरंतर संवाद से युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने बताया कि संस्कार संस्था **अक्टूबर 2023 से "घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान** चला रही है, जिसके तहत युवाओं, अभिभावकों और समाज के विभिन्न वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने चिट्टे के खिलाफ लड़ाई को पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए वरिष्ठजनों के अनुभव और मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया।



संस्कार सोसाइटी घुमारवीं | घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा अभियान



22. अभियान की प्रमुख उपलब्धियां

- लगभग 40 पंचायतों में प्रारंभिक संपर्क अभियान।
- वर्ष 2026 में 43 पंचायतों एवं नगर परिषद क्षेत्र को जोन आधारित अभियान से जोड़ने की पहल।
- वर्ष 2025 में लगभग 500 लोगों से संपर्क।
- 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में सर्वेक्षण।
- 1,456 विद्यार्थियों का नशा संबंधी सर्वेक्षण।
- 20 स्कूलों के 50 विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता में सहभागिता।
- 40 स्कूलों के 80 विद्यार्थियों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सहभागिता।
- प्रथम चरण में लगभग 10,000 पैंफलेट/पोस्टर का वितरण।
- "चिट्टा पर चोट" सोशल मीडिया प्रतियोगिता में 49 प्रतिभागियों की सहभागिता।
- पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थानों, महिला मंडलों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों, व्यवसायियों और अन्य सामाजिक समूहों को जोड़ने का प्रयास।

23. अभियान की कार्यप्रणाली

1. जागरूकता: लोगों को चिट्टे और अन्य नशों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना।

2. जनसंपर्क: गांव, पंचायत और नगर स्तर पर स्थानीय लोगों से सीधे संपर्क करना।

3. विद्यार्थी सहभागिता: छात्रों को सर्वेक्षण, प्रतियोगिताओं और संवाद कार्यक्रमों से जोड़ना।

4. सामुदायिक नेटवर्क: पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडलों, सामाजिक संस्थाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को जोड़ना।

5. विशेषज्ञ मार्गदर्शन: मनोवैज्ञानिकों एवं नशा-निवारण विशेषज्ञों को अभियान से जोड़ना।

6. डिजिटल एवं युवा भागीदारी: सोशल मीडिया, वीडियो प्रतियोगिताओं और युवा संवाद के माध्यम से नई पीढ़ी को अभियान का सक्रिय भागीदार बनाना।

24. अभियान का सामाजिक महत्व

"घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान को केवल नशे के खिलाफ नारे या एक-दो कार्यक्रमों तक सीमित रखने के बजाय विभिन्न स्तरों पर लगातार आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया। अभियान में पंचायतों, शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों, महिलाओं, अभिभावकों, वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं को जोड़ने की विभिन्न गतिविधियां की गईं।

सर्वेक्षण के माध्यम से क्षेत्र में नशे से संबंधित विद्यार्थियों की धारणाओं और आसपास के वातावरण के बारे में जानकारी एकत्र करने का प्रयास किया गया। इसके बाद जागरूकता कमेटियों, युवा संवाद और जोन आधारित गतिविधियों की दिशा में पहल की गई।

25. आगे की कार्ययोजना के लिए सुझाव

- सभी 8 जोन में नियमित जागरूकता बैठकें आयोजित करना।
- प्रत्येक जोन के अंतर्गत आने वाली 7-8 पंचायतों में स्थानीय जागरूकता टीम विकसित करना।
- प्रत्येक पंचायत में युवाओं एवं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
- शिक्षण संस्थानों में छात्र जागरूकता समितियों को सक्रिय करना।
- जरूरतमंद युवाओं के लिए काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन की व्यवस्था मजबूत करना।
- अभिभावकों के लिए विशेष जागरूकता बैठकें आयोजित करना।
- नशे से संबंधित स्थानीय समस्याओं और चिंताओं के दस्तावेजीकरण की व्यवस्था करना।
- खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, साहित्य और डिजिटल मीडिया को अभियान से जोड़ना।
- सोशल मीडिया के माध्यम से नियमित जागरूकता सामग्री प्रसारित करना।
- पंचायत प्रतिनिधियों, पुलिस-प्रशासन, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संस्थाओं के बीच समन्वय मजबूत करना।
- अभियान की गतिविधियों, प्रतिभागियों और परिणामों का नियमित रिकॉर्ड तैयार करना।
- समय-समय पर विद्यार्थियों एवं युवाओं के बीच फॉलो-अप सर्वेक्षण करवाना।

26. निष्कर्ष

"घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा" अभियान अक्टूबर 2023 में शुरू हुई एक जन-जागरूकता पहल से आगे बढ़कर सामुदायिक सहभागिता पर आधारित निरंतर अभियान के रूप में विकसित हुआ है।

अभियान के दौरान पंचायतों, शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों, महिलाओं, अभिभावकों, वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं को जोड़ने के विभिन्न प्रयास किए गए। जनसंपर्क अभियानों से लेकर सर्वेक्षण, चित्रकला प्रतियोगिता, विशेषज्ञ कार्यशाला, कवि सम्मेलन, प्रश्नोत्तरी, सोशल मीडिया प्रतियोगिता और युवा संवाद तक विभिन्न माध्यमों का प्रयोग किया गया।

विशेष रूप से 1,456 विद्यार्थियों का सर्वेक्षण, 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में पहुंच, 10,000 जागरूकता पैंफलेट/पोस्टर का वितरण, लगभग 40 पंचायतों में प्रारंभिक संपर्क, 49 प्रतिभागियों वाली सोशल मीडिया प्रतियोगिता तथा वर्ष 2026 में 43 पंचायतों और नगर परिषद क्षेत्र को जोन आधारित अभियान से जोड़ने की पहल अभियान के विस्तार को दर्शाती है।

वर्ष 2026 में युवाओं और विद्यार्थियों को अभियान के केंद्र में रखते हुए “चर्चा एवं संकल्प” जैसी गतिविधियों तथा जोन आधारित जागरूकता मॉडल की दिशा में बढ़ना अभियान को स्थानीय स्तर पर और अधिक संगठित बनाने का प्रयास है।

संस्कार सोसाइटी घुमारवीं का यह अभियान इस विचार पर आधारित है कि नशे के विरुद्ध प्रभावी सामाजिक जागरूकता के लिए परिवार, युवा, पंचायत, शिक्षण संस्थान, सामाजिक संगठन और प्रशासन सभी की सहभागिता आवश्यक है। अभियान का आगामी लक्ष्य स्थानीय समुदायों की भागीदारी को और मजबूत करते हुए “चिट्टा मुक्त घुमारवीं” की दिशा में निरंतर सामाजिक प्रयास करना है।